आरएनआई नं. दिल्ली-एन/2002/7201

रुडयार्ड किपलिंग ने
उन्हें अपनी कल्पनाओं
में बसाया और अब हम
उन्हें बसा रहे हैं,
एक नए परिवेश में।

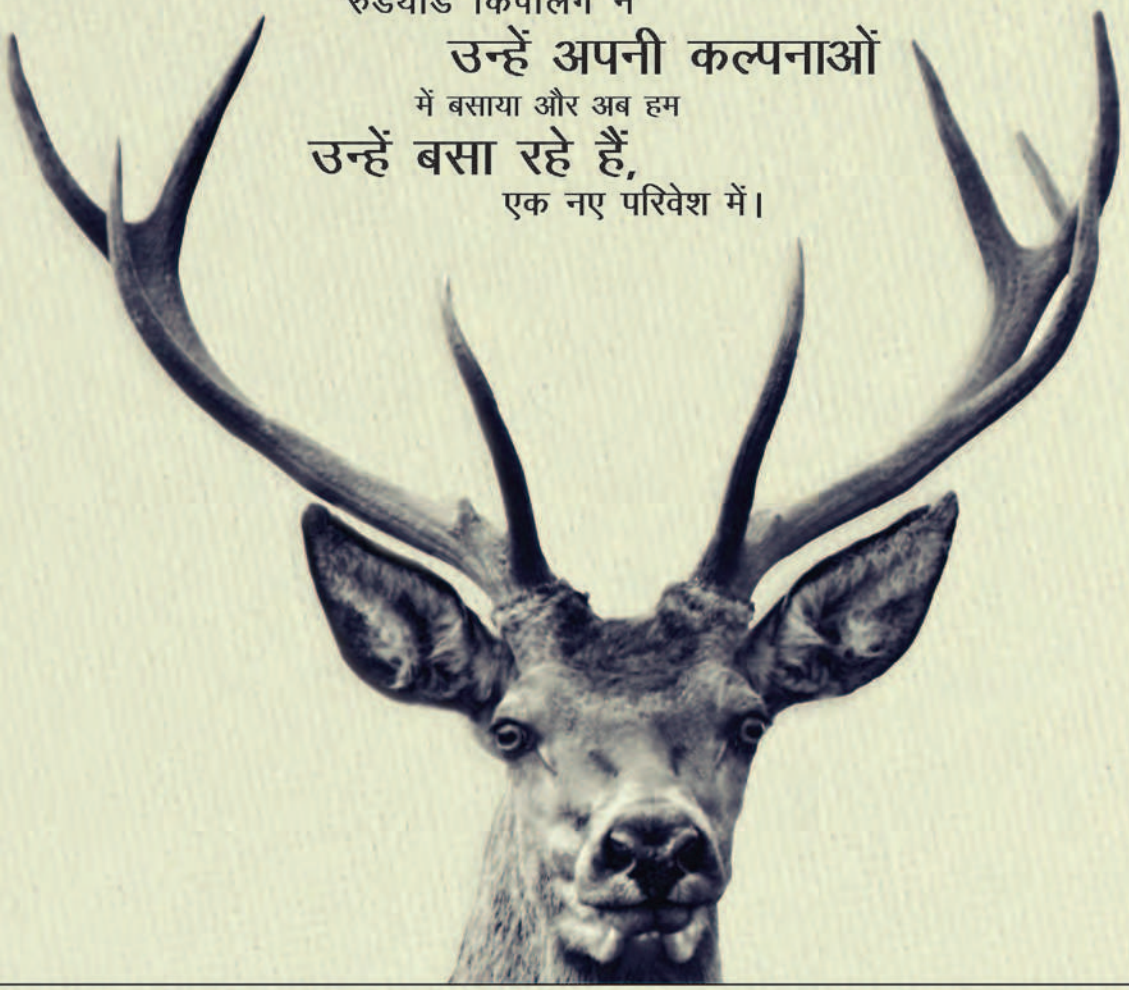

"ओएनजीसी बारासिंघा (ईस्टर्न स्वैम्प डीअर) संरक्षण परियोजना"

एक दुर्लभ प्रजाति को विलुप्त होने से बचाने के लिये ओएनजीसी की सीएसआर पहल।

असम में पाये जाने वाले बारासिंघा या ईस्टर्न स्वैम्प डीअर *(Rucervus duvaucelii ranjitsinhi)* आज विलुप्त होने की कगार पर है। प्रसिद्ध लेखक रुडयार्ड किपलिंग ने जिस से मंत्रमुग्ध हो कर उसकी सुन्दरता को अपनी दूसरी किताब 'द सेकंड जंगल बुक' में कैद किया हो, उस जीव के लिये यह काफी दुखद स्थिति है।

ओएनजीसी ने इस प्रजाति को विलुप्त होने से बचाने के लिये अपने कदम बढ़ाये, और वो भी बिल्कुल सही समय पर।

इसके पहले चरण के अन्तर्गत इनकी अनुमानित आबादी, अनुकूल पर्यावरण, पशु–चिकित्सा अंतःक्षेप एवं सामान्य अध्ययन और जागरूकता अभियान किया गया। इनके स्थानांतरण के लिये मानस राष्ट्रीय उद्यान को चुना गया, जो इनके रहने के लिये बिल्कुल उपयुक्त स्थान था।

काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से 19 बारासिंघो को मानस में स्थानांतरित करना बहुत ही कठिन काम था। योजना के इस अत्यंत कठिन दूसरे चरण को दक्षिण अफ्रीका से बुलाये गये वन्यजीव विशेषज्ञों ने बहुत खास तरीके से अंजाम दिया। 19 बारासिंघो का स्थानांतरण खास तंबुओ में किया गया, जिनको अन्दर से उनके प्राकृतिक आवास जैसा ही बनाया गया था। कुछ ही महीनों में 6 नवजात बारासिंघो ने झुण्ड में जुड़कर, स्थानांतरण की खुशी को दुगना कर दिया।

इस योजना के विस्तार के तीसरे चरण के अन्तर्गत 20 अतिरिक्त बारासिंघो का स्थानांतरण किया जा रहा है।

यह परियोजना संतुलित पर्यावरण की ओर ओएनजीसी की एक शुरुआत है। लुप्तप्राय प्रजातियों का संरक्षण करने के लिये प्रेरित, हमारा संगठन प्रकृति की असली सुंदरता को बनाये रखने के लिये प्रतिबद्ध है।

ओएनजीसी
ONGC

ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालयः- पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऊर्जा भवन, 5, नैलसन मंण्डेला मार्ग, वंसत कुँज, नई दिल्ली-110070
दूरभाषः 011-26752021, 26122148, फैक्सः 011-26129091 www.ongcindia.com /ONGC Limited @ONGC_